आरती बोली " एक बात कहूँ बाबूजी ……? मेरे मन में एक इच्छा है…….. . क्या आप पूरी करोगे "

"हाँ हाँ मेरी जान …… जो भी इच्छा है कहो ना…… . आज तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूँगा आरती रानी ……"

"हाय राम बाबूजी ……आप जब मुझे बार बार आरती रानी और मेरी जान कहते हो…… मुझे बड़ा अच्छा लगता है……
मेरा भी मन करता है की मैं आपको बाबूजी की जगह……. राजाजी कहकर पुकारूँ … ……. आप बुरा तो नही मानोगे ना बाबूजी……. ? "
आरती पूछते हुए घबरा रही थी

"भला मैं क्यों बुरा मानूँगा आरती रानी ?…… .मुझे तो बहुत अच्छा लगेगा…… ….. अगर तुम मुझे राजाजी पुकारो……इस से तो प्यार करने में और मज़ा आएगा ……" . मैने उसके होंठों को चूमते हुए कहा " अच्छा अब तुम बताओ……
कि तुम्हारे मन में क्या इच्छा है "

"मैं चाहती हूँ राजाजी …… की आप कुछ देर के लिए मुझे अपनी घरवाली बना लो…… और फिर मेरे साथ जो भी खेल खेलना चाहो खेलो ……
जो करना चाहो करो …… जैसे चाहो वैसे करो…… " आरती की आवाज़ काँप रही थी.

© 2008, www.antarvasna.com

आरती के मूह से राजाजी सुनकर तो मानो मेरे शरीर में करंट दौड़ने लगा . मैं उसकी दोनो गोलाईओं को पागलों की तरह बारी बारी चूमने लगा "
घरवाली क्या........ मैने तो तुम्हे अपने दिल की रानी बना लिया है मेरी जान .... अब घरवाली कैसे बनाऊँ .... ये तो बताओ आरती रानी "

"राजाजी................. मैं चाहती हूँ की आप................... सिंदूर से मेरी माँग भर कर......... कुछ देर के लिए मुझे अपनी बीवी बना लो ....
और फिर मुझे अपना बच्चा दो.................. तब हमारा बच्चा............. हमारी वासना की नहीं ....हमारे प्यार की निशानी होगा............. .
मैं ठीक कह रही हूँ ना राजाजी............... ? " आरती मेरी आँखो में झाँकते हुए बोली .

आरती के मूह से ऐसी बात सुनकर मैं हैरान रह गया ,"वाह मेरी जान .... कितनी उँची बात कही है .... मैने तो सोचा भी नही था कि तुम.................. इतनी ग्यान की बातें भी करती होगी . ...मैं तुम्हारी ये इच्छा ज़रूर पूरी करूँगा .... मेरे साथ आओ आरती रानी "

मैं आरती को बाहों में उठाकर ड्रेसिंग टेबल के सामने ले गया . आरती को वहाँ खड़ा किया और ड्रेसिंग टेबल की दराज़ में से सिंदूर की डिब्बी निकाल ली .

"आओ आरती रानी .... आज मैं इस सिंदूर से तुम्हारी माँग भरकर...........

© 2008, www.antarvasna.com

..... तुम्हे अपनी बीवी बनता हूँ “ कहते हुए मैने एक चुटकी सिंदूर उसकी माँग में भर दिया . आरती ने इस सुख से अपनी आँखे बंद कर ली और ड्रेसिंग टेबल के शीशे की तरफ घूम गयी .

फिर उसने आँखे खोली और देखा की उसकी माँग में सिंदूर लगा था .

“ओह राजाजी ..... आपने तो मुझे असली सुहागन बना दिया ....“ कहते हुए आरती घूमकर मेरे साथ चिपक गयी

और मेरे सीने में अपना चेहरा छुपा लिया . धीरे धीरे आरती नीचे सरकने लगी और मेरे पैरों में गिर पड़ी

”आज से मैं आपकी दासी हूँ .....और आप मेरे स्वामी हो..... .

आज आपने मुझे जो सुख दिया है .....

वैसा सुख मुझे ज़िंदगी में कभी नही मिला..... राजाजी ..... अब मैं आपकी हर आग्या का पालन करूँगी .....मेरे देवता..... .

आज से आपको मुझपर पूरा अधिकार है ..... मेरा शरीर आज से आपका हुआ .....इस शरीर का जैसे चाहो..... वैसे इस्तेमाल करो

..... मेरे स्वामी.....आपकी आरती रानी..... आज से आपकी आरती दासी बन गयी है..... राजाजी “ आरती ने मेरे पैर पकड़ रखे थे

“ये क्या कहती हो आरती रानी .....? तुम मेरी दासी नहीं..... मेरी रानी हो “ मैने उसे उपर उठाते हुए कहा

“बाकी रही शरीर क़ी बात ..... तो जैसे तुम्हारा ये बदन आज से मेरा हो गया है..... वैसे ही मेरा शरीर भी आज से तुम्हारा हो गया है .....

© 2008, www.antarvasna.com

तुम्हे भी पूरा अधिकार है..... मेरे शरीर पर”

“सच राजाजी..... ? अगर मुझे भी पूरा अधिकार है ..... तो क्या मैं भी आपकी छातियाँ वैसे ही चूस सकती हूँ .....जैसे आपने मेरी चूसी थी “ आरती ने झट पूछा .

“हाँ हाँ आरती रानी .....चाहो तो तुम भी मेरी छातियाँ चूस सकती हो... ..... लेकिन भला मर्दों क़ी छाती भी कोई चूसने की चीज़ है .....? औरत के पास तो चूसवने के लिए .....दो बड़ी बड़ी चुचियाँ होती हैं .... लेकिन मर्दों कि छाती में चूसने के लिए क्या है ?” मैने पूछा

“यही बात हर औरत भी सोचती है राजाजी..... कि ये सारे मर्द ....औरतों कि चुचियों के पीछे क्यों पड़े रहते हैं..... जैसे सिर्फ़ मर्द ही जानता है..... कि औरत कि छातियाँ चुस्कर .....और उसके सीने कि गोलाईओं से खेलकर..... क्या सुख मिलता है .... वैसे ही औरत भी मर्द कि छोटी छोटी चुचियाँ .....चूसना चाहती है ..... उसके सीने के बालों से खेला चाहती है .....और उसकी छाती के बालों को चाटना चाहती है..... “ आरती मेरे सीने से लगे लगे बोली

“ठीक है मेरी जान..... जैसा तुम चाहती हो वैसा ही होगा .... अच्छा ये बताओ कि तुम मेरी चुचियाँ..... यहीं खड़े खड़े चुसोगिया...

© 2008, www.antarvasna.com

…… या बेड पर लेट कर…… “ मेरे हाथ उसके नितंबों पर थे . बड़े ही गोल गोल और प्यारे चूतड़ थे आरती के.”

“यहीं खड़े खड़े चूस्वा लो ना राजाजी …… देखो ना मैं आप से कितनी छोटी हूँ …..और मेरा मूह…… बिल्कुल आपकी चुचियों के सामने है…… …… “ आरती ने मेरी एक चुचि पर किस कर दिया . कितना सुख था उस किस में . उसके बाद आरती ने दूसरी चुचि पर भी किस किया . फिर दोनो चुचियों के बीच बालों वाली जगह पर भी किस किया . मेरी आँखे बंद थी और स्वर्ग जैसा आनंद मिल रहा था . मैं अपने होश खोने लगा था .

“मज़ा आया राजाजी…….. ? “ अचानक आरती की आवाज़ सुनकर मेरी मदहोशी टूटी “ आपको मेरे चूमने से अच्छा लगा मेरे राजाजी या नही……. ?”

“अच्छा नही बहुत अच्छा लग रहा है मेरी जान…….. . मैं तो बेहोश ही होने वाला था……. . तुम एक मर्द को सारे सुख दे सकती हो…….. आरती रानी …… तुम एक सर्व गुण संपन्न औरत हो…… . ये तुम्हारी बदकिस्मती है कि तुम्हे लल्लन जैसा पति मिला “ मैने कहा

“इस प्यार भरे मौके पर…….. उस हिज़ड़े का नाम क्यों लेते हो राजाजी…… …….. सुख तो मैं आपको बहुत सारे दूँगी…… . ये तो शुरूवात है…… …… .और फिर आपसे सारे सुख लूँगी भी .” आरती ने मेरी एक चुचि को दोनो हाथों से दबाकर पकड़ लिया और चूसने लगी .

© 2008, www.antarvasna.com

“धीरे धीरे चूसो आरती रानी ..... ये मर्द कि चुचियाँ हैं ..... इनमे से दूध नही निकलता..... “ मुझे हल्का सा दर्द हो रहा था .

“हाए मेरे राजा ..... काश आपकी चुचि से भी दूध निकाल सकता .... तो मैं सारा का सारा दूध पी जाती..... जैसे आपने मेरा सारा दूध पी लिया..... “ आरती मेरी दूसरी चुचि चूस रही थी .बहुत देर तक आरती बारी बारी से मेरी दोनो चुचियाँ खड़े खड़े ही चुस्ती रही .कभी वो छाती के बालों को चूमती थी , कभी चाटती थी . फिर वो धीरे धीरे नीचे सरकते हुए अपने घुटनो पर बैठ गयी .

“ अब क्या इरादा है आरती रानी.....” मैने पूछा , वैसे मैं समझ गया था की आरती अब क्या करना चाहती थी

“अब मैं .....आपके इस महालिंग के दर्शन करूँगी .....राजाजी इस लिंग को प्रणाम करूँगी ..... इसे प्यार करूँगी..... और इस लिंग का भोग लगाऊंगी..... मेरे राजा..... “ आरती ने मेरे लंड के टोपे को चूम लिया ,” हाए दैया ..... कितना विशाल लिंग है आपका बाबूजी..... और कितना तगड़ा भी ..... इसे तो देखकर ही मुझे पसीने आ रहे हैं ..... ये तो मेरी हालत खराब कर देगा राजाजी “

“भोग लगाने से ये और तगड़ा हो जाएगा .....और तुम्हे ही दुखी करेगा .....“ चाहता तो मैं ये था की आरती मेरे लंड को टोपे से लेकर जड़ तक अपने मूह में लेकर चूसे

© 2008, www.antarvasna.com

. “क्या इसका भोग लगाना ज़रूरी है..... मेरी जान ?”

“बहुत ज़रूरी है राजा .....मुझे ऐसा हथियार भला रोज़ रोज़ कहाँ मिलता है..... ..... . उस लल्लन हिज़ड़े का तो लिंग ही नही है..... . वो हरामी तो मुझे छू भी ले..... तो ऐसा लगता है जैसे किसी कुत्ते ने चाट लिया..... . इस लिए आज मुझे जो मौका मिला है..... उसे कैसे जाने दूं ..... आज मैं इसे जी भर कर चूसूंगी ..... ये जो आपके हथियार के नीचे दो गोलियाँ हैं ना..... ..... राजाजी..... इन्हे भी चूसूंगी ..... बोलो आप मुझे आग्या दोगे ना..... बाबूजी..... “ आरती मेरे टटटे चाटने लगी.

मेरे मन में लड्डू फुट रहे थे “तुम्हे आगया लेने की क्या ज़रूरत है मेरी जान .... मेरा ये शरीर आज तुम्हारा है ..... इसका हर अंग तुम्हारा है..... तुम चाहे जिस अंग को चूमो ..... चॅटो या चूसो ..... आज तुम्हे अधिकार है रानी..... क्योंकि आज तुम मेरी पत्नी हो.

“हाए रे ..... ये मेरे ख़सम का लिंग है..... और आज ये मेरा है..... “ कहकर आरती ने मेरा पूरा लंड अपने मूह में ले लिया और अंदर बाहर करने लगी . बड़ा मज़ा आ रहा था .बहुत देर तक आरती मेरा लंड चुस्ती रही और फिर मेरे टटटे चूसने लगी . अब मेरी सहन शक्ति ख़त्म होने लगी थी .

“अब बस भी करो मेरी जान ..... मैं और नही चुसवा सकता ..... आओ अब बेड पर चलते हैं , ...बाकी काम बेड पर करेंगे..... “मेरा लंड अब

© 2008, www.antarvasna.com

आरती की चूत माँग रहा था , फुदक रहा था , बेताब हो रहा था .

“ठीक है राजाजी..... जैसा आप कहो ..... क्योकि आज तो मैं आपकी दासी हूँ और आप मेरे मालिक..... . हर दासी का ये कर्तव्य होता है .....की अपने मालिक की आग्या का पालन करे..... .”आरती हंसते हुए बोली “ वैसे एक बात कहूँ..... ..... मेरे राजाजी ..... आज आपकी इस तोप ने..... मुझे बहुत मज़ा दिया..... है और आपकी गोलियाँ तो लाजवाब हैं..... इनको चूस्ते चूस्ते तो मन ही नही भरता..... “

आरती खड़ी हो गयी और मैं उसे उठाकर बेड पर ले आया “ आरती रानी..... अब मैं तुम्हारे साथ ..... वो काम करूँगा..... जिसको करने से..... मेरा बच्चा ... .तुम्हारे पेट में चला जाएगा..... . क्या तुम तय्यार हो मेरी जान..... ... ? “

“हाँ बाबूजी..... मैं तय्यार हूँ..... आपका बच्चा लेने के लिए ..... बस एक छोटी सी विनती है मेरी ..... आप का ये हथियार बहुत मोटा है राजाजी ..... और मेरी योनि को..... इतने मोटे हथियार की आदत नही है .... इसलिए बड़े प्यार से .....धीरे धीरे डालना अपना ये महालिंग..... ..... मेरी योनि में ..... बस एक बार अंदर चला जाए ..... फिर जितने चाहो उतने धक्के मार लेना . .....मैं भी आपको हर तरह का मज़ा दूँगी ..... वो सारे सुख दूँगी..... जो एक पति अपनी पत्नी से चाहता है “ “ठीक है आरती रानी..... प्यार से ही डालूँगा ..... तुम चिंता मत

© 2008, www.antarvasna.com

करो…….. और आराम से लेट जाओ…… “
मैं आरती की टाँगों के बीच बैठ गया और उसकी दोनो टाँगे उठाकर अपने कंधो पर रख ली . उसकी छोटी सी चूत सामने चमकने लगी . हाए क्या प्यारी चीज़ थी , बिल्कुल छोटी सी जैसे किसी कुँवारी लड़की की हो . उस पर छोटे छोटे बॉल थे और थोड़ी गीली भी हो रही थी . मैने झुककर आरती की चूत को किस कर लिया .

“हाए राम.. राजाजी ये क्या करते हो…… ? भला यहाँ भी कोई पप्पी करता है क्या…… “आरती काँप उठी

“क्यों मेरी जान ……. जब तुम मेरे लिंग का भोग लगा सकती हो…….. तो क्या मैं तुम्हारी इस छोटी सी योनि का भोग नही लगा सकता…….. “
मैने उसकी चूत की एक और लंबी सी पप्पी ले ली

अब मैने अपना लंड उसकी योनि के द्वार पर रख दिया और उसकी दोनो चुचियाँ दोनो हाथों से पकड़ ली .
आरती फिर से काँपने लगी , उसके सीने की गोलाइयाँ मेरे हाथों में हिल रही थी

“अब क्या हुआ मेरी जान……. . अभी तो तुम कह रही थी मैं तय्यार हूँ ……..और अब डर रही हो…. “ मैं उसकी चुचियाँ ज़ोर ज़ोर से मसलने लगा

“हाँ राजाजी .....डर तो लगता ही है……. . ज़रा एक बार अपने हथियार का…….. और मेरी योनि का साइज़ तो देखो…… .

© 2008, www.antarvasna.com

अब आप ही बताओ की डर लगेगा या नही…….. लेकिन आप रुकना नही ……
….आप आगे बढ़ो ……..
मेरे डर की परवाह मत करना……. मेरे राजा……. “ आरती मुझे उकसाने लगी

मैं तो वैसे भी कहाँ रुकने वाला था और अब तो आरती ने भी हरी झंडी दे दी थी . मैने अपने लंड को धीरे धीरे दबाना शुरू किया .
बड़ी दिक्कत हो रही थी अंदर जाने में . जगह कम थी और लंड मोटा होता जा रहा था .मैने सोचा की इस से पहले की लंड और मोटा हो जाए
मुझे आरती की चूत में डालना ही होगा वरना बाद में और ज़्यादा दिक्कत हो सकती है
मैने थोड़ा ज़्यादा दबाकर एक हल्के से झटके के साथ पहले अपना टोपा अंदर कर दिया

“ हाए मेरी माँ…… मर गयी रे…… “ आरती चिल्लाने लगी “बाबूजीइइईईई……
…… ये क्या आपने ……..ये क्या मूसल सा गाड़ दिया आपने …….
मेरी इस छोटी सी योनि में…… . हाए मैं तो मर जाऊँगी राजाजी ……
मेरे तो प्राण ही निकाल जाएँगे …… आप अपना हथियार निकाल लो बाबूजी……..
वरना मेरी ज़ोर से चीख निकाल जायेगीईईईइ……..मुझे नहीं चुधवाना आपसे…
…….राजाजी "

“ये क्या कह रही हो मेरी जान…. . अभी तो तुम कह रही थी तुम मेरा बच्चा लेने को तय्यार हो और अब कह रही हो की अपना लॉडा निकाल लो…… .
जब तक मेरा ये लंड तुम्हारी चूत में पानी नही छोड़ेगा तब तक मेरा बच्चा तुम्हारे पेट में

© 2008, www.antarvasna.com

कैसे जाएगा ..... आरती रानी थोड़ा सा सब्र करो .....
थोड़ा सा दर्द बर्दाश्त कर लो..... ये दर्द थोड़ी देर में कम हो जाएगा..... " मैं आरती को दिलासा देने लगा

"मुझे झूठा दिलासा मत दो बाबूजी .....जब आप अपना ये लंड और अंदर डालोगे .....तो ये दर्द कम नही होगा .....बल्कि और बढ़ जाएगा
..... . आपका ये हाथी जैसा मोटा लंड .....आज मेरी योनि को चीर देगा
..... आप को कसम है राजाजी .....अब इस से ज़्यादा
अंदर मत डालना..... क्योंकि ये दर्द तो मैं बर्दाश्त कर गयी..... लेकिन वो दर्द नही सह पाऊँगीइइई ..... आप अपने हथियार को यहीं रोक कर
..... हिला लो मेरे राजा..... ." आरती बोली

"ठीक है मेरी जान..... जैसा तुम चाहो "मैने कहा और अपना लंड सिर्फ़ टोपा अंदर डाल कर हिलने लगा .थोड़ी देर तक ऐसा ही चलता रहा .
इस में ना तो मुझे मज़ा आ रहा था ना आरती को . आरती शायद मेरी हालत समझ गयी थी

"राजाजी .....मैं जानती हूँ कि आपको मज़ा नही आ रहा होगा ..... अब मेरा दर्द काफ़ी कम हो गया है ..... आप अपना लंड.....
थोड़ा सा और अंदर सरका दो..... "आरती ने अपने हाथ मेरी चुतड़ों पर रख

© 2008, www.antarvasna.com

दिए . मैं समझ गया था की आरती की चूत भी पूरा लंड चाहती है .
मैने सोचा की इस तरह एक एक इंच अंदर डालने से बात नही बनेगी , थोड़ा रिस्क तो लेना ही पड़ेगा

आरती के हाथ तो मेरी चुतड़ों पर थे ही , मैने अपने हाथ उसकी चुचियों से हटाकर उसके सिर के नीचे रख लिए फिर हाथों को सरकते हुए एक हाथ उसकी पीठ पर
और दूसरा हाथ आरती की कमर पर ले आया. मैने अपनी छाती आरती की चुचियों पर रख दी

“राजाजी..... मैं समझ गयी..... आप ये क्या करने की तय्यारी कर रहे हो ..... आप को कसम है बाबूजी..... ऐसा मत करना ..... मैं मर जाऊँगी “
आरती दया की भीख माँग रही थी लेकिन मैं ऐसे टाइम पर दया कैसे दिखता अगर आज दया दिखाई तो पता नहीं ज़िंदगी में दोबारा आरती की चूत मिले या ना मिले

मैने अपने होंठ आरती के होंठों पर रख दिए . अब आरती का पूरा जिस्म मेरे काबू में था . मैं पूरा आरती पर छा गया था .
मैं आरती के होंठ चूसने लगा , उसकी चुचियों को अपनी छाती से सटा लिया. आरती भी बड़े प्यार से मेरे होंठ चूस रही थी और इस बात से बेख़बर थी
कि अब उसके साथ क्या होने वाला है . मैने सोचा कि ये सही मौका है , अब जो होगा देखा जाएगा और मैने कामदेव का नाम लेकर अपना हथियार

© 2008, www.antarvasna.com

चला दिया और मेरा पूरा का पूरा लंड आरती की चूत को फाड़ता हुआ जड़ तक अंदर समा गया

अचानक सारे कमरे में मानो भूचाल आ गया .आरती बुरी तरह छटपटाने लगी . मेरी पकड़ से छूटने की कोशिश करने लगी , मैने उसका मूह अपने मूह से
बंद कर रखा था इस लिए वो चिल्ला नही सकती थी , सिर्फ़ घु.... घु..... कर रही थी , अपने हाथों से मेरी छाती पर धक्का मार रही थी

फिर उसका मूह मेरे मूह से अलग हो गया “हाए मार डाला रे .....अरे कोई मुझे बचा लो रे ..... वरना ये ज़ालिम इंसान .....मुझे मार डालेगा रे .....
हाए कोई मुझे बचा लो रे .....हाए मेरी माँ..... मैं मर गयी रे ... .फाड़ दी मेरी चूत रे .....
कितने हाथ जोड़े इसके आगे..... लेकिन ये नहीं माना रे ....., आख़िर वोही हुआ जिसका डर था.....मेरी ग़लती हो गयी.....
जो मैं..... इसके नीचे सोने को तय्यार हो गयी ..... इस ज़ालिम से..... एक बच्चा माँग लिया .....
मुझे क्या पता था..... कि जो अब तक इतनी मीठी मीठी बातें कर रहा था ... . वो इतनी बेदर्दी से..... मेरी चूत फाड़ देगा.....
अरे ज़ालिम..... अब तो निकाल लो अपना ये मूसल .....या मेरी इस छोटी सी चूत का .....भुर्ता बनाकर ही मानोगे .....
आज इसका भोंसड़ा ही बना दोगे क्याआआआ..... “ आरती अब हाथ जोड़ रही थी

© 2008, www.antarvasna.com

“निकाल लूँगा आरती रानी..... लेकिन ऐसे नही..... . पहले तुम यही बात प्यार से कहो..... और हर चीज़ का नाम लेकर बोलना पड़ेगा.....
कि तुम क्या चाहती हो..... “ मैने अपनी अगली चाल चली

आरती मेरी चाल में आ गयी “ ठीक है राजाजी..... प्यार से कहती हूँ .... हर चीज़ का नाम लेकर कहती हूँ .....
फिर तो मुझे पक्का छोड़ दोगे नाआआ..... “

“हाँ मेरी जान..... पक्का छोड़ दूँगा..... तुम बोलो तो सही..... “ मैं सरासर झूठ बोल रहा था

“ (आह) राजाजी .....मैं आपके हाथ जोड़ती हूँ ..... कि आपका ये जो लंड..... .... मेरी चूत में जड़ तक घुसा हुआ है..... उसे बाहर
निकाल लो ..... वरना मेरी चूत फट जाएगी..... और उसका भोंसड़ा बन जाएगा ..... (आई) मेरी चूत..... आपके इस हाथी जैसे लंड को .....
बर्दाश्त नही कर सकतिईईईईईईई.... . (उईए) इसमे बहुत दर्द हो रहा है..... तो आप कृपा करके..... अपना ये महालिंग.....
मेरी योनि से निकाल लो..... (मर गयी रे) ठीक है राजाजी..... अब तो मैने वैसे ही बोल दिया..... जैसा आपने कहा था .....अब तो निकाल लो ना “

मैने धीरे धीरे अपनी कमर हटाकर अपना लंड बाहर खींचना शुरू किया . आरती को

© 2008, www.antarvasna.com

साँस आने लगा
चेहरे से दर्द की लकीरें कम होने लगी . अब मेरे लंड का काफ़ी हिस्सा बाहर आ चुका था . और सिर्फ़ टोपा ही अंदर रह गया था

आरती भी नॉर्मल हो चुकी थी “रुक जाओ राजाजी …….. क्या सारा का सारा ही निकाल लोगे …… थोड़ा सा लंड तो अंदर रहने दो…….. “
आरती बोली “टोपा अंदर रहने दो ना लाला…… मज़ा आ रहा है “

मैं तो सिर्फ़ लंड बाहर निकालने का नाटक कर रहा था . मैने एक धक्का और लगा दिया और लॉडा दोबारा जड़ तक चूत मैं समा गया

“आप तो बड़े धोखेबाज़ हो…… राजाजी ……. (आइईई) फिर पेल दिया अपना लंड…… मेरी चूत में……. . (आआहा) अपने तो कहा था ……मुझे पक्का छोड़ दोगे ……तो फिर ये क्या किया “ आरती चिल्लाने लगी

“तुम्हे सुन ने में ग़लती हो मेरी रानी …….. मैने ये नहीं कहा था…… पक्का छोड़ दूँगा ……बल्कि मैने तो कहा था ……..पक्का चोद दूँगा……
और अब मैं अपना कहा पूरा करूँगा…….. और आज तुम्हे…….
. जी भर चोदूगा…….. मेरी आरती रानी “ मैने एक और धक्का लगा दिया

“ आईए मार डाला रे……. . हाए मेरे ज़ालिम सैयाँ…… थोड़ा तो सब्र करोआाआ…… . इतने उतावले क्यों हो रहे हो…… .(आआह) थोड़ी

© 2008, www.antarvasna.com

देर ऐसे ही रहने दो …….. ये दोनो पहले आपस मैं …….जान पहचान तो करले……. फिर धक्के मारना ……. तब आपको धक्के मारने का असली मज़ा आएगा…… और मुझे धक्के खाने का …….” अब आरती नॉर्मल होने लगी थी .

मैने सोचा कि मेरा लॉडा तो पूरा जड़ तक अंदर घुसा हुआ है ही और आरती भी अब नही चिल्ला रही है तो थोड़ा सब्र करने मैं ही समझदारी है .
आख़िर ये अंदर घुसा हुआ लंड कुछ ही देर में अपना रंग तो दिखाएगा ही , चूत के अंदर गुदगुदी पैदा करेगा . खुजली पैदा करेगा , तब आरती खुद ही धक्के लगवाएगी

आख़िर वो पल आ ही गया जिसका मुझे बेसब्री से इंतज़ार था . “ हाए राजाजीीइईईईईई ……, योनि के अंदर अब दर्द तो नही हो रहा……. (उईईईईई) लेकिन एक अजीब सी हलचल हो रही है …… हाए मैं क्या करूँ राजाजी …… …. कुछ तो बताओ……. ये हलचल क्यों हो रही है…… और कैसे मिटेगि aeeeeeeeee“ आरती ज़ोर ज़ोर से मेरे चूतड़ दबाने लगी

“ इस हलचल को चुदास कहते हैं मेरी जान ……. जब कोई चूत किसी लंड से चुदना चाहती है…… तो उसमे ऐसी ही हलचल होती है……
. तुम्हारी चूत भी अब धक्के खाने के लिए तय्यार है ……. जब तक ये जोरदार धक्के नही खाएगी …… तब तक इसकी हलचल शांत नही होगी……. आरती रानी “ मुझे तो धक्के मारने क़ी जल्दी थी

© 2008, www.antarvasna.com

“ हाए राजाजी……. लगता है …….अब मेरा धक्के खाने का समय आ गया है …… ….. आख़िर आप भी तो यही चाहते हो ……. तो ठीक है राजा…….
आप धक्के लगाने क़ी शुरुआत करो…….. . पहले ज़रा हल्के हल्के धक्के मारना जानू…… ……. और फिर धीरे धीरे अपनी स्पीड बढ़ाना ……..
पूरे मज़े लेना आज .....अपनी आरती रानी क़ी योनि के …… …… कोई कसर ना रह जाए ……कोई तमन्ना बाकी ना रहे आपकी …… …..
जितनी देर चाहो उतनी देर चोदो……. अपनी घरवाली को…….चोदो ना मेरे स्वामी……. “ आरती अब पूरी चुदासि हो चुकी थी

आरती के मूह से ऐसी बाते सुनकर मेरा लंड और भी तन्ना गया . मैने धीरे धीरे धक्के लगाने शुरू कर दिए . हर धक्के के साथ आरती के मूह से आह निकलती थी .
जब औरत के मूह से आह निकले तो मर्द को चुदाई का मज़ा दोगुना आता है . ऐसा ही मेरे साथ भी हो रहा था . मेरा जोश बढ़ता ही जा रहा था .

“ हाए राजाजी बस करो ……. धीरे मारो……. , आज ये मेरी चूत आपकी ही तो है……, कहीं भागी थोड़े ही जा रही है ……. ज़रा प्यार से मारो… …… “ आरती बोली

“क्या करूँ आरती रानी …… तुम्हारे मूह से ये सेक्सी शब्द और सेक्सी बाते सुनकर…… मुझे जोश आ जाता है……

© 2008, www.antarvasna.com

और मैं अपने इस लोड़े को कंट्रोल नही कर पाता..... “मैं बहुत देर तक धक्के लगाता रहा

आरती भी अपने चुड़त उछाल उछाल कर हर धक्के का जवाब दे रही “ हाँ राजाजी मारो ..... और ज़ोर से मारो ..... मारते रहो .....,
रूको मत मेरे राजा ....., और अंदर तक मारो .....और दबाके मारो मेरी जान..... “

“ मेरी जान तुमने कहा था..... कि तुम मुझे वो हर सुख दोगि..... जो एक पति अपनी पत्नी से चाहता है..... . पत्नी तो तुम मेरी बन ही चुकी हो ....
अब मुझे कोई और सुख दो ना “ मैने कहा .

“हाँ राजाजी..... मुझे याद है..... मैने कहा था..... और मैं अपना वादा पूरा करूँगी ..... आप बताओ अब आपको कौन सा सुख चाहिए ..... मैं हर तरह से तय्यार हूँ ..... आप जो चाहो माँग लो..... “ आरती बिंदास बोली

“ आरती रानी .....अब मैं तुम्हे अपनी गोद में बैठाना चाहता हूँ ..... आओ मेरी

© 2008, www.antarvasna.com

गोद मैं बैठ जाओ रानी …………“ कहकर मैने उसे अपनी गोद मैं बैठा लिया . आरती मेरी टांगो पर बैठ गयी . मैने उसे अपनी तरफ खींच लिया और उसकी छाती से अपनी छाती भिड़ा दी . आरती क़ी तनी हुई चुचियों के निपल मेरी छाती में गाड़े जा रहे थे .

मैने उसकी चुचियों को भींच लिया .

“ अब तुम………. मेरे लोड़े पर सवार हो जाओ………….. मेरी जान……… “ कहकर मैने उसके चुतड़ों को थोड़ा सा उपर उठाया , आरती क़ी चूत के दरवाजे पर अपना सूपड़ा रखा और आरती को अपने लंड पर बिठा दिया

“उईईए राजाजी……………. फिर दर्द कर दिया नाआआआ…………. . कैसे कैसे आसान लगवाते हो……….. . पता नही ………….आज तुम मेरी फुददी के साथ ……. क्या क्या करने वाले हो……………… .वैसे ये आसान बहुत बढ़िया है……… मेरे राजा……….पूरा लंड घुस गया इस छोटी सी फुददी में………ऐसा लग रहा है जानेमन……………. कि आपका लोड्। मेरी चुचियों तका आ गया है………….. हाए……….. कितना लंबा है आपका ये लंड…………

मैं तो आज निहाल हो गयी………….आप से चुद्वाकर …….. मेरी जान…………… अच्छा अब तो आपका हथियार ………. पूरा अंदर चला गया है ……………अब बताओ क्या करना है ……………………कोई और आसन लगाकर चोदो ना………… …….. मेरा मन तो कर रहा है………………… कि मैं आपके लंड पर कूदु (उईईईईईई माँ)…………….. “ आरती मुझे ज़ोर से भींचते हुए बोली .

© 2008, www.antarvasna.com

“यही तो करना है मेरी जान…….. . अब तुम्हे मेरे लोड़े पर कूदना है……..
और अपनी योनि क़ी प्यास बुझानी है .....जितना कूद सकती हो कूदो…… .
पूरा ज़ोर लगाकर कूदो…….. . जब तुम कूदोगी ना आरती रानी ……
तब ये तुम्हारी चुचिया.....ज़ोर ज़ोर से हिलेंगी ……
कभी उपर नीचे..... और कभी दाये बाए …….. ऐसा
लगेगा……..जैसे ये तुम्हारी चुचियाँ नाच रही हो…….. .
मैं तुम्हारी चुचियों का डांस देखना चाहता हूँ “

आरती तो जैसे मेरी हर आगया का पालन कर रही थी . उसने कूदना शुरू कर दिया .
उपर नीचे होकर अपनी चूत मेरे लोड़े पर रगढ़ रही थी
और साथ ही साथ कुछ बड़बड़ा भी रही रही थी “हाँ राजाजीीइईई….. मैं कूदूँगी ……
….. बहुत ज़ोर से कूदूँगी …… बहुत देर तक कूदूँगी ……
पूरा लंड अपनी फुददी में लेकर कूदूँगी …….. हिलो मेरी चुचियों ……
.....और ज़ोर से हिलो …… मेरे स्वामी……. तुम्हारा नाच देखना
चाहते हैं
……आज अपना नाच दिखाकर…… मेरे पति को खुश कर दो …
…… हिलो…….. “

काफ़ी देर कूदने के बाद आरती थक गयी और हाँफने लगी “ हाए मेरे राजाजी ……
….आज तो आपने अपनी आरती रानी को थका दिया ……
अब आप बताओ…….. कि मैं आपको कौन सा सुख दे सकती हूँ…… मेरे स्वामी “

© 2008, www.antarvasna.com

“आज जो तुमने अपने मम्मो का नाच दिखाया मेरी जान ..... वैसा नाच मैने आज तक नहीं देखा ..... नाचते हुए तुम्हारी दोनो चुचियाँ
बड़ी सूँदर लग रही थी ..... अब मैं तुम्हे..... कुतिया बनाना चाहता हूँ मेरी रानी..... “ मैने अपनी आख़िरी ख्वाहिश भी बता दी

“धत राजाजी , ये क्या होता है ..... औरत भला कुतिया कैसे बन सकती है..... “ आरती को अपने कानो पर विश्वास नही हो रहा था

“क्यों नही बन सकती आरती रानी ..... हर औरत कुतिया बन सकती है और बनती भी है ..... तुमने कभी कुत्ते कुतिया क़ी चुदाई नही देखी क्या ?.....
कुत्ता पीछे से आता है ..... कुतिया क़ी चुत चाटता है..... और उसके उपर चढ़ने क़ी कोशिश करता है..... . कुतिया पहले तो एक दो बार नखरा दिखती है
..... फिर चूद्वने को तय्यार हो जाती है ..... कुत्ता अपनी अगली टांगे उठाकर .....कुतिया के उपर चढ़ जाता है .....और अपनी कमर हिलने लगता है ..... जैसे ही कुत्ते का लंड .....कुतिया क़ी चूत से मिलता है ... . कुत्ता ज़ोर ज़ोर से धक्के लगाने लगता है .....
जब कुत्ते का लंड .....कुतिया की चूत में घुसता है ..... कुतिया के मूह से हल्की सी चीख निकलती है .....और कुत्ता अपना पूरा का पूरा हथियार..... .....

© 2008, www.antarvasna.com

कुतिया की चुत में उतार देता है “

“हाँ देखा है राजाजी …… बहुत बार देखा है…… . कुत्ते कुतिया क़ी चुदाई देखकर…. .....मुझे बड़ा अच्छा लगता है ……
मेरा भी मन करता है…… उनकी चुदाई देखकर…… . लेकिन मैं भला किस से चुद्वाऊन ……..कभी कभी तो इतना गुस्सा आता है……उस हिज़ड़े लल्लन पर …… मन करता है कि किसी गली के कुत्ते को ही पकड़ कर…… अपने घर ले आउन और उसका लंड पकड़ कर…….
अपनी चूत में घुसेड लूँ…….. . लेकिन एक बात तो बताओ राजाजी…… जब कुत्ता चुदाई करके……. कुतिया पर से उतरता है ……तो वो दोनो आपस में चिपक क्यों जाते हैं …….. कुत्ते का लंड …….कुतिया क़ी चूत मैं फस जाता है ……, कुत्ता बड़ा ज़ोर लगता है……..
लेकिन लंड बाहर क्यों नही आता …… क्या आपका लंड भी…….. उसी तरह मेरी फुददी में अटक जाएगा ?.....”

“ अरे नहीं आरती रानी ……. मेरा लंड वैसे नही फसेगा…… जैसे कुत्ते का फस्ता है…… . कुत्ते का लंड तो…… कुतिया क़ी चूत में जा कर …….. फूल जाता है …….और अपना पानी एक एक बूँद करके छोड़ता है … …… लेकिन इंसान का लंड तो…… पूरी पिचकारी के साथ …… …अपना पानी……. औरत क़ी चूत में छोड़ता है “

© 2008, www.antarvasna.com

" ठीक है राजाजी..... आज आपकी आरती रानी..... आपके लिए कुतिया रानी भी बनेगी ..... लेकिन उस समय आप मुझे कुतिया रानी बुलाना ..... और मैं आपको कुत्ते राजा कहूँगी ....."

"ठीक है मेरी रानी .....अब तुम कुतिया बन जाओ ..... कुतिया बनते ही .....तुम्हारे दोनो मम्मे लटक जाएँगे..... मैं तुम्हारे लटकते हुए..... और झूलते हुए मम्मे देखना चाहता हूँ.....जब तुम अपने प्यारे प्यारे मम्मे झुलाओगी.....मुझे उन पर प्यार आएगा ..... और मैं उन्हे पकड़ लूँगा .....
.पकड़ कर खूब दबाऊंगा.....निचोड़ूँगा..... और फिर बेड पर लेटकर..... ....तुम्हारी लटकती हुई चुचियाँ चूसूंगा .....
.तुम बारी बारी से अपने दोनो मम्मे .....मेरे मूह में देना .....और अपने मम्मो से मेरा मूह दबा देना.....बड़ा मज़ा आएगा .....आरती रानी.....
मम्मे चूसने के बाद.....मैं पीछे से आकर..... तुम्हारी चूत चाटूँगा..... और तुम्हारे उपर चढ़ कर पीछे से..... लोड़ा डाल दूँगा
..... " मैने आरती को कुतिया बनाते हुए कहा

" राजाजी..... आपने कहा पीछे से लोड़ा डाल दूँगा ..... भला इसका क्या मतलब होता है..... ?" आरती डर गयी " कहाँ डाल दोगे अपना लोड़ा..... ?"

© 2008, www.antarvasna.com

" मेरी जान.... मैने कहा ना तुम्हारी चूत को चाटूँगा .....और उसमे लोड़ा डाल दूँगा " मैने आरती को समझाया

"अच्छा चूत में ही डालोगे ना ..... फिर तो ठीक है ..... मैने सोचा क़ी .....कहीं आप मेरी....." कहते कहते आरती रुक गयी.

" मेरी ... क्या मेरी जान ..... रुक क्यों गयी ..... कहो ना क्या सोचा तुमने " मेरा मन उसके मूह से वो शब्द सुनना चाहता था .

"कुछ नही राजाजी ....." आरती शर्मा गयी

"कहो ना मेरी रानी ..... क्या सोचा तुमने ..... मेरी.... क्या ? "

"धत राजाजी , आप बड़े बेशरम हो..... . आप समझ गये हो..... फिर भी मेरे मूह से सुनना चाहते हो ..... अच्छा चलो .....मैं आपके कान में बता देती हूँ..... " कहते हुए आरती अपना मूह मेरे कान के पास ले आई और धीरे से बोली "मैने सोचा राजाजी..... कि.....
आप अपना लोड़ा..... मेरी गान्ड में डालकर..... मेरी गाअंड मारने वाले हो

"हाए मेरी जान..... तुम्हारे मूह से घान्ड सुनकर बहुत अच्छा लगा....., एक बार और कहो ना "

© 2008, www.antarvasna.com

“हाँ राजाजी..... मैने कहा गान्ड ..... गान्ड ..... गान्ड ..... बस अब तो मैने तीन बार बोल दिया ना ..... अब आपको एक काम और करना होगा मेरे राजा..... जब आप कुत्ता बनकर पीछे से आओ..... तो अपनी इस कुतिया क़ी चूत के साथ साथ .....इसकी गान्ड क़ी पप्पी भी लेना..... उसे भी थोड़ा चाटना..... “ आरती आगे से झुक गयी और अपने चूतड़ उपर उठा दिए

“आओ मेरे कुत्ते राजा..... तुम्हारी कुतिया रानी .....तुम्हारा इंतज़ार कर रही है “

आरती के मम्मे लटकने लगे.....कितने बड़े और भारी दूध थे आरती के..... और लटकते हुए कितने अच्छे लग रहे थे.....आरती अपनी चुचियाँ हिलने लगी ....हाए

“ये देखो राजाजी ..... अपनी आरती रानी के मम्मे देखो.....देखो ना कैसे हिल रहे हैं..... देखो ना मेरे स्वामी.....आपको बुला रहे हैं.....आओ ना राजा .....इन्हे पकडो ना..... पकड़ कर चूसो ना.....
इनमे दर्द हो रही है..... मेरी जान..... इनका दर्द मिटाओ ना ..... इनमे फिर से दूध भर गया है.....राजा.....
आओ और इनका दूध पी जाओ.....इन्हे निचोड़ दो.....मेरे पातिदेव.....खाली कर दो “

© 2008, www.antarvasna.com

आरती क़ी बाते सुनकर मैं बेकाबू हो गया.... मैने उसकी दोनो लटकती हुई चुचियों को पकड़ लिया और निचोड़ने लगा.....उनमे सचमुच दूध भर चुका था .....
दूध टपकने लगा.....मैने तुरंत अपना मूह आरती के मम्मो के नीचे कर दिया.....आरती ने एक चुचि मेरे मूँ में दे दी

“हाँ राजाजी ..... चूसो मेरे मम्मे.....मेरा दूध पी लो.....आह.....और चूसो ..... चूस्ते रहो जब तक इनमे दूध है.....छोड़ना मत..... हाए राजाजी..... आपको कैसे कैसे आसन आते हैं..... आप सब जानते हो मेरे स्वामी.....
औरत को क्या चाहिए आपको सब पता है... .. आपने आज अपनी आरती रानी को .....
.....जाने क्या क्या बना दिया..... पहला कुतिया बना दिया
..... और अब भैंस बना कर उसके थन चूस रहे हो..... उसका दूध पी रहे हो.....चूसो “

मैं बड़ी देर तक आरती के दोनो मम्मे चूस्टा रहा.....जब मम्मो में दूध ख़तम हो गया तो आरती बोली “बस करो मेरे राजा.....अब तो छोड दो मेरे मम्मे.....
अब उनमे दूध नही बचा .....आपने सारा दूध चूस लिया .....मेरा दर्द भी मिट चुका है.....अब आप अपनी भैंस को छोड दो.....
और अपनी कुतिया के बारे में सोचो “

“हाँ आरती रानी.....मैं अपनी भैंस का सारा दूध पी चुका हूँ..... अब मेरी

© 2008, www.antarvasna.com

भैंस के थन सूख गये हैं.....अब मैं अपनी कुतिया को चोदुन्गा.....आओ मेरी कुतिया रानी .....अब मैं तुम्हारी चूत और गान्ड..... दोनो चाटूँगा “

मैं आरती के पीछे आ गया और अपनी जीभ से आरती क़ी चूत चाटने लगा . बड़ी रसीली थी आरती कि योनि . उसकी योनि से रस बह रहा था .
मेरी जीभ का स्पर्श पाते ही आरती क़ी चूत हिलने लगी , आरती अपने चूतड़ उछालने लगी . फिर मैने उसकी गान्ड क़ी पप्पी ले ली ,
आरती कुतिया की तरह आगे को भागने लगी . मैं भी कुत्ते कि तरह उसके पीछे लगा था . आगे दीवार आ गयी , आरती अब और आगे नही भाग सकती थी .
मैं तो पीछे लगा ही था और बार बार उसकी चूत और गान्ड चाट रहा था. फिर मैने उसकी पूरी योनि अपने मूह में ले ली और अपनी जीभ उसकी चूत में डाल दी .
बड़ी नमकीन थी आरती की फुददी

कुछ देर बाद मैने आरती की चूत छोड कर उसकी गान्ड मूह में लेकर चूसनी शुरू कर दी .आरती की गेंड उसकी चूत से भी ज़्यादा टेस्टी थी .
मैने उसकी गान्ड में जीभ डालकर अपनी जीभ से उसकी गान्ड मारी . बिल्कुल कुँवारी गान्ड थी आरती क़ी . लगता था जैसे अभी उसकी सील नही टूटी थी

“आरती क्या तुम्हारी गान्ड..... अब तक सील बंद है.....या कभी इसकी सील तुड्वाई है किसीसे .....” मैने पूछ लिया .

“छी बाबूजी..... आप कितनी गंदी गंदी बाते करते हो..... सील तो केवल

© 2008, www.antarvasna.com

औरत क़ी चूत क़ी होती है ……..भला गान्ड क़ी भी कोई सील होती है …… और अगर होती भी होगी …….. तो आज आपने अपनी जीभ से वो सील तोड़ दी …….. अब बस इसके आगे…….मेरी गान्ड मारने क़ी मत सोचना ……. मैं आज गेंड नही मराऊंगी……आज आप सिर्फ़ मेरी चूत के बारे में सोचो

मैने सोचा आज ही मैं गान्ड क्यों मारु…….आज नही तो कल मार लूँगा …….. साली बचकर कहाँ जाएगी…….मेरा दिल पूरी तरह से आरती क़ी गान्ड पर आ चुका …….और मैने मन ही मन सोच लिया कि आरती क़ी गान्ड क़ी सील मैं ही तोड़ूँगा…. ….और मैं आराम से उसकी चूत और गान्ड चाटने लगा

“अब ये चूमने और चाटने का खेल बस भी करो ……मेरे कुत्ते राजा…….. आओ अब अपनी कुतिया रानी पर चढ़ जाओ…….
और उसको चोदो ना…….. . आपकी कुतिया रानी…… अब अपने कुत्ते राजा से ……..चूध्रे को बेकरार है …….
अब और मत तरसाओ …….. आपकी कुतिया रानी तो नखरा भी नही करेगी …….. एक ही बार मैं…….. अपना पूरा हथियार……
उसकी योनि में उतार दो “

“हाँ मेरी कुतिया रानी…….. मैं आ गया …… एक बार ज़रा पीछे मुड़कर तो देखो …….. तुम्हारे कुत्ते राजा का हथियार……..
अपनी कुतिया रानी की फुददी के दरवाजे पर…….. दस्तक दे रहा है…… “

© 2008, www.antarvasna.com

“भला खुले दरवाजे पर भी कोई दस्तक देता है ……मेरे कुत्ते राजा ……
मेरी फुददी के दरवाजे खुले हैं ……और आपका स्वागत करते हैं ……
अंदर आ जाओ मेरे लोड़े राजा”

मैने अपना लोड़ा आरती क़ी चूत पर रखा और एक ही बार मैं पूरा अंदर घुसेड दिया ,
आरती को इस बार कोई खास दर्द नही हुआ शायद
.मैने दोनो हाथों से आरती की पतली सी कमर पकड़ ली और धक्के मारने लगा

“हाँ मेरे स्वामीयीईईईईई…… , मेरे देवता…… , मेरे कुत्ते राजा……
…. , ऐसे ही चोदो…….. . थोड़ा और ज़ोर लगाओ ……
अंदर डालो ना ……, और अंदर ……, हाँ ऐसे ……..,अब ठीक है ……
…. अपनी स्पीड बड़ाओ मेरे राजा ……., मारो अपनी कुतिया रानी की चूत
…… और मारो ……. फाड़ दो इस निगोडी को …… ये मुझे बहुत तंग करती
है …… रात भर सोने नही देती ……
जाने कैसी आग लगी रहती है साली में…… . आज आप इसकी सारी आग बुझा
दो…… अपने पानी से ……., इसे ठंडा कर दो .....मेरे स्वामी……
…मैं जानती हूँ …. …….आपको मेरी गेंड चाटने में मज़ा आया है……और
आपका बहुत मन हो रहा होगा……. मेरी गेंड मरने का…….
मैं वादा करती हूँ ……..अपनी गान्ड की सील……..अगली बार…….. मैं आप से
ही खुलवाऊंगी .....आपने सही पहचाना……मेरे राजाजी……मेरी

© 2008, www.antarvasna.com

गान्ड आज तक ……..सील पॅक है…….इसकी सील तोड़ने का काम……
….आपके लोड़े से ही होगा……और अगली बार……जब आप ……..मेरी गान्ड की सील तोड़ोगे ना…….मेरे कुत्ते राजा…….तो मैं आपका सारा पानी भी…… अपनी गान्ड में ही लूँगी……..
मेरे ख़सम……लेकिन आज नही…….आज आप सिर्फ़……..मेरी चूत मार लो“

काफ़ी देर चोद्न्ने के बाद मुझे लगा अब मैं झड़ने वाला हूँ . मैने अपने धक्कों की स्पीड कम कर दी

“ क्या हुआ मेरे कुत्ते राजाआआअ…… , थक गये क्या ……आपकी कुतिया रानी तो अभी पूरी जवान है…… .
स्पीड क्यों कम करदी …… और चोदो ना मेरे राजा. “

“आरती रानी…… अब मैं झड़ने वाला हूँ …… मेरी पिचकारी निकालने वाली है “

“ हाए सच मेरे स्वामी ……आप अपना पानी छोड़ने वाले हो क्या …….. लेकिन अभी थोड़ा रुक जाओ …….मैं लेट जाती हूँ…….
और आप मेरी टांगे उठाकर…… अपना लोड़ा मेरी चूत में पेल दो ……,
आप मेरी चुतड़ों के नीचे ……एक तकिया लगा दो
तान्कि आपका लोड़ा …… पूरा जड़ तक अंदर जाए…… और मेरी चूत की

© 2008, www.antarvasna.com

गहराई में अपनी पिचकारी मारेईईईईईईईईई............. “ कहते हुए आरती लेट गयी . मैने एक तकिया उसकी गान्ड के नीचे लगा दिया , उसकी टांगे उपर उठाई और अपना लोड्ा जड़ तक उसकी फुददी के अंदर उतार दिया .
तकिया लगाने के कारण लोड्ा और फुददी बड़ी मस्ती में एक दूसरे से टकरा रहे थे

“आओ मेरे पति देव............. अपना वादा पूरा करो ....और आज आप मुझे अपनी संतान दो........... . आपका लोड्ा...........
बड़ी गहराई तक चला गया है .... बिल्कुल मेरी बच्चेदानि तक .... अब आपके पानी की पिचकारी................. सीधी मेरी बच्चेदानि पर लगेगी ....और आपके पानी की एक एक बूँद...............इसके अंदर जाएगी .... आज आप बहुत सारा पानी छोड़ना राजाजी ....और मेरी बच्चेदानि को ....अपने पानी से भर देना “

“हाँ आरती रानी तुम चिंता मत करो , आज मैं तुम्हे बच्चा ज़रूर दूँगा”

“राजाजी.............. मैं आपका बेटा पैदा करना चाहती हूँ............. इसलिए अब आप हर धक्के के साथ लड़का .... लड़का.......... बोलते हुए
अपना पानी छोड़ना ....और मेरे पेट में............ अपना बेटा डाल देना...... ....” आरती मुझे समझाने लगी

अब मुझसे बर्दाश्त नही हो रहा था . मैने धक्के मारने शुरू कर दिए

© 2008, www.antarvasna.com

“लड़का ..... लड़का ..... लड़का ..... लड़का .....” मैं हर धक्के के साथ बोलता जा रहा था “हाँ मेरी जान ..... मैं भी यही चाहता हूँ... ..... कि हमारे प्यार की निशानी के रूप में..... तुम एक बेटा पैदा करो ... .

मैं अब अपना बेटा.....तुम्हारे पेट में डालने वॉल हूँ मेरी जान ..... लड़का ..... लड़का ..... लड़का ..... लडकाआआआआआ .... हाए डाल दिया लड़का..... “ मैने अपना पानी आरती की चूत की गहराई में डाल दिया

आरती ने अपनी दोनो टांगे मेरी कमर पर कस ली , अपने हाथों से मेरी पीठ भींच ली , मुझे अपनी चुचियों पर दबा दिया और बोली “ आईईए बाबूजी .....

क्या पिचकारी मारी है ..... और मारो बाबूजी ..... भर दो आज मेरी फुददी अपने पानी से ..... बाबूजी .....आपका पानी ..... आज मेरी बच्चेदानि में चला गया है ..... और जितने प्यार से आपने मुझे..... अपनी पत्नी बनाकर.....

ये बच्चा दिया है ..... मैं जानती हूँ कि..... ये लड़का ही होगा ... . राजाजी“

काफ़ी देर तक मेरा लंड पानी छोड़ता रहा और आरती की चूत हर बूँद अपने अंदर ले रही थी .

इतना पानी मेरे लंड ने ज़िंदगी में कभी नही छोड़ा होगा. कुछ देर बाद हम अलग हो गये

© 2008, www.antarvasna.com

और कपड़े पहन लिए

“ बाबूजी आज आपने मुझे एक औरत होने का असली एहसास कराया है . वरना मेरी ये जवानी तो यूँ ही बर्बाद हो रही थी . आप तो पूरे मर्द हो बाबूजी .
आपने तो मुझे केवल आज के लिए अपनी पत्नी बनाया था बाबूजी , लेकिन मैने आपको हमेशा के लिए अपना पति मान लिया है .
अब मुझे जब भी मौका मिलेगा मैं आपके पास आ जौंगी . अच्छा अब मैं चलती हू बाबूजी .” आरती ने मेरे पैर छू लिए और मेरे पैरो क़ी धूल से अपनी माँग भर ली .

मैने आरती को खड़ा किया और उसका माथा चूम लिया और उसे दरवाजे तक छोड़ने गया ,”आरती रानी तुम जब चाहो मेरे पास आ सकती हो
बस ये ख़याल रखना कि घर में कोई और ना हो . तुम जब भी मेरे पास आओगी , मैं तुम्हे अपनी पत्नी मानकर ही प्यार करूँगा “

उसके बाद आरती बाहर चली गयी और मैं भी बिस्तर पर लेटकर उन सुहाने पलों को याद करने लगा जो मैने कुछ देर पहले आरती के साथ गुज़ारे थे .

आशा है मेरी कहानी आप लोगो को पसंद आएगी

© 2008, www.antarvasna.com